राजमाता माधुरी देवी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज

खगड़िया, बिहार

परिचय एवम् शपथ पुस्तिका

राजमाता माधुरी देवी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, खगड़िया

शिक्षा के प्रति एक समर्पित यात्रा

खगड़िया शिक्षा सेवा न्यास द्वारा संचालित राजमाता माधुरी देवी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, आवास बोर्ड, खगड़िया, बिहार, शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है। इस संस्थान को सन् 2017 में मान्यता मिली, और तभी से यह B.Ed. तथा D.El.Ed. पाठ्यक्रमों में 100-100 सीटों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह कॉलेज एक दूरदर्शी महिला, माधुरी देवी, के सपनों और सिद्धांतों का साकार रूप है।

माधुरी देवी: एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व

माधुरी देवी एक कर्तव्यपरायण सरकारी शिक्षिका थीं और अपने समाज की पहली शिक्षित महिला होने का गौरव प्राप्त था। उन्होंने अशिक्षा, विशेषकर लड़कियों की शिक्षा के क्षेत्र में, अथक प्रयास किए। उनके जीवन का उद्देश्य समाज को ज्ञान के प्रकाश से रोशन करना था। अपने जीवनकाल में

उन्होंने कुछ जमीन अर्जित की, जिसका उपयोग बाद में उनके परिवार ने शिक्षा के उत्थान के लिए किया।

एक स्वप्न का साकार होना: शिक्षण संस्थान की स्थापना

खगड़िया जैसे अति पिछड़े क्षेत्र में शिक्षण संस्थानों की घोर कमी को महसूस करते हुए, 01 जनवरी 2013 को माधुरी देवी के निधन के पश्चात् उनके ज्येष्ठ पुत्र डॉ. स्वामी विवेकानंद और उनकी सभी पुत्र-पुत्रियों ने एकमत से एक सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए योग्य शिक्षक तैयार करने का निर्णय लिया। इस महान उद्देश्य को पूरा करने के लिए, उन्होंने माधुरी देवी द्वारा अर्जित जमीन को दान कर दिया और उन्हीं के नाम पर एक शिक्षण संस्थान स्थापित करने का संकल्प लिया। इस संस्थान का निर्माण कार्य 2014 में प्रारंभ होकर 2016 में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मान्यता और संबद्धता

अप्रैल 2017 में, इस शिक्षण संस्थान को ERCNCTE (Eastern Regional Committee, National Council for Teacher Education) द्वारा B.Ed. और D.El.Ed. पाठ्यक्रमों की मान्यता प्राप्त हुई। तत्पश्चात्, इसने आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना और बिहार विश्वविद्यालय परीक्षा समिति पटना से संबद्धता प्राप्त की, जो संस्थान की गुणवत्ता और अकादमिक मानकों को प्रमाणित करता है। 2019 में, संस्थान से पहला बैच सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होकर निकला, जिसने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट परिणाम

2019 से 2024 तक, संस्थान से लगभग 1100 छात्र-छात्राएँ B.Ed. और D.El.Ed. परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर चुके हैं। यह गर्व की बात है कि इनमें से 600 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन BPSC (Bihar Public Service Commission) के माध्यम से सरकारी स्कूलों में हुआ है, जो संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा की उच्च गुणवत्ता को दर्शाता है। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के B.Ed. संस्थानों में गुणवत्ता के लिए इस संस्थान की रैंकिंग शीर्ष तीन स्थानों में बनी रहती है, जो इसकी अकादमिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। संस्थान के छात्र-छात्राओं ने खेल, आर्ट एंड कल्चर, आर्ट एंड क्राफ्ट, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय का कई बार प्रतिनिधित्व किया है, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जाता है।

सामाजिक दायित्व और सामुदायिक सेवा

राजमाता माधुरी देवी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज केवल शिक्षा प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने सामाजिक दायित्वों को भी प्रतिबद्धता के साथ पूरा करता है। कोविड काल में भी, कॉलेज ने मास्क, सैनिटाइजर और एक हज़ार से अधिक परिवारों को एक महीने का राशन प्रदान कर सामुदायिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। बहुत ही कम समय में, इस कॉलेज ने शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से क्षेत्र और राज्य में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और भविष्य की दिशा

हाल ही में, संस्थान ने एक सेमिनार का आयोजन किया जिसमें अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसे देशों से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने संस्थान के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। यह आयोजन संस्थान की वैश्विक दृष्टिकोण और शिक्षा में नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संस्थान के भविष्य की योजनाओं में इसे भारत के मानचित्र पर एक अग्रणी स्थान दिलाना शामिल है। शिक्षा में प्रयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और शिक्षाविद्, प्रवासी-भारतीय विवेक उमराव ग्लेंडेनिंग, जो सिडनी/कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया के निवासी हैं, को नवंबर 2024 में खगड़िया शिक्षा सेवा न्यास द्वारा संचालित/स्थापित संस्थानों/ प्रतिष्ठानों के एग्जीक्यूटिव-डायरेक्टर के पद पर अवैतनिक पूर्णकालिक नामित किया गया है। उनके परामर्श और निर्देशन पर शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान में निरंतर नए प्रयोग हो रहे हैं। यह संस्थान आने वाले समय में बिहार और पूरे देश के लिए एक रोल मॉडल बनकर उभरेगा, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सामाजिक सेवा के माध्यम से एक सशक्त भविष्य का निर्माण करेगा।

विवेक उमराव ग्लेंडेनिंग का संक्षिप्त परिचय:

- सीईओ सह एग्जीक्यूटिव-एडिटर,
  ग्राउंड रिपोर्ट इंडिया इंटरनेशनल जर्नल, ऑस्ट्रेलिया ISSN 1839-6232
- सदस्य, लंदन प्रेस क्लब, इंग्लैंड
- अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड सदस्य,
  इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस,
  (संबद्ध ECOSOC-UN, UNICEF, UNESCO, तथा UNCED)
- इंटिग्रेटेड वाटर रिसोर्सेस मैनेजमेंट (आईडब्ल्यूआरएम) के अंतर्राष्ट्रीय ट्रेनिंग मैनुअल एवम् फैसिलिटेटर गाइड्स निर्माण में कई दशक से योगदान कर रहे हैं।
  (ट्रेनिंग मैनुअल गाइड प्रत्येक कुछ वर्षों में इंटरनेशनल कैपेसिटी डेवेलपमेंट नेटवर्क फॉर सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट, एसोशिएटेड प्रोग्राम ऑन फ्लड मैनेजमेंट, आईएचई डेल्फ़्ट इंस्टीट्यूट फॉर वाटर एजुकेशन (विश्व का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय-स्नातक जल शिक्षा संस्थान), सेंट्रल अमेरिकन नेटवर्क ऑफ इंजीनियरिंग इंस्टिट्यूशंस, ग्लोबल वाटर पार्टनरशिप (जीडब्ल्यूपी), इत्यादि अंतर्राष्ट्रीय तथा वैश्विक संस्थानों द्वारा तैयार किया जाता है।)
- वर्ल्ड पीस एम्बेसडर 2018-22
- यूरोपियन प्रेस से संबद्ध रहे हैं।
- मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय जर्नलिस्ट (2008-2018)
  रॉयल चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिस्ट्स, लंदन (यूनाइटेड किंगडम)

पुरस्कार

- वार्षिक उपस्थिति 100% वाले प्रशिक्षु को 10000 (दस हज़ार) रुपए समकक्ष पुरस्कार दिया जाएगा। अभी तक यह पुरस्कार 5000 (पाँच हज़ार) रुपए था।
- जो प्रशिक्षु सीटेट परीक्षा में उत्तीर्ण होते है और उनकी वार्षिक उपस्थिति 95% रहती है, उनको 10000 (दस हज़ार) रुपए समकक्ष पुरस्कार दिया जाएगा।
- जो प्रशिक्षु सीटेट परीक्षा में उत्तीर्ण होते हैं और उनकी वार्षिक उपस्थिति 90% रहती है, उनको 5000 (पाँच हज़ार) रुपए समकक्ष पुरस्कार दिया जाएगा।
- जो प्रशिक्षु सीटेट परीक्षा उत्तीर्ण होते हैं और उनकी वार्षिक उपस्थिति 85% रहती है, उनको 2000 (दो हज़ार) रुपए समकक्ष पुरस्कार दिया जाएगा।
- मासिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षु को 1000 (एक हज़ार) रुपए समकक्ष पुरस्कार दिया जाएगा।
- समय-समय पर आयोजित की जाने वाली प्रतिस्पर्धाओं में पुरस्कार दिया जाएगा।

मानदेय

महाविद्यालय द्वारा स्थानीय समाज के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा देने की योजना है। इस प्रकार की गतिविधियों में जो छात्र भागीदारी करना चाहते हैं, वे इस संदर्भ में आवेदन आमंत्रित किए जाने पर, आवेदन दे सकते हैं। जिन छात्रों का चयन होगा, उन छात्रों को उनकी भागीदारी व योग्यता के आधार पर पांच-सौ रुपए से लेकर पांच-हजार रुपए महीना का मानदेय प्रदान किया जाएगा।

वजीफा

महाविद्यालय में अध्ययनरत Versatile Genius (बहुमुखी प्रतिभाशाली), स्वाध्यायी, व अनुशासित छात्र/छात्रा को वजीफा दिए जाने की योजना पर विचार चल रहा है। प्रबल संभावना है कि यह योजना इस वर्ष से ही लागू हो जाएगी।

सामुदायिक सहभागिता जवाबदेही तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

- नवीनीकरण/अक्षय ऊर्जा उत्पादन, उपयोग व प्रबंधन कार्यक्रम।
- वर्षा जल प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- कूड़ा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- ग्राम व कृषि आधारित व्यवसायिक उत्पादन/भंडारण/विपणन/लेखा-जोखा/विज्ञापन व प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला कार्यक्रम

- शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाओं व संगोष्ठियों का आयोजन।
- व्यक्तित्व विकास कार्यशालाओं व संगोष्ठियों का आयोजन।
- अंग्रेजी भाषा कार्यक्रम।
- कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सहयोगी तथा कैरियर परामर्श कार्यक्रम।

उल्लिखित कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यक्रम विशेष के विनिर्देशों के आधार पर साप्ताहिक या मासिक अवधि के आधार पर आवर्ती रूप से संचालित करने के लिए बनाई जाएगी।

नए छात्रों का स्वागत कार्यक्रम

अवधि - एक सप्ताह।
कार्यक्रम की रूपरेखा —

- नवीन प्रशिक्षु अपना विस्तृत परिचय देगा, अपनी अभिरुचियों के बारे में बताएगा।
- विभिन्न विषयों पर आधारित क्विज़, ग्रुप डिस्कशन व परिचर्चा इत्यादि कार्यक्रम होंगे।
- नृत्य, गान, वाद्ययंत्र, चित्रकला, अभिनय, वाक-कौशल इत्यादि अभिरुचि-कार्यक्रम होंगे।
- महाविद्यालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके, उन छात्रों की सफलता की कहानियाँ साझा की जाएंगी, जिन्होंने विकट परिस्थितियों में भी संघर्ष करते हुए सफलता अर्जित की।
- कार्यक्रम के समाप्ति दिवस पर सामूहिक भोज का आयोजन होगा।

यदि छात्र/छात्रा खगड़िया शहर से दूर रहता है, तो महाविद्यालय की दृढ़-संस्तुति

महाविद्यालय से घर आने-जाने में समय नष्ट नहीं हो, थकावट नहीं हो, महाविद्यालय में देरी से नहीं आएं, तथा समय से पहले ही महाविद्यालय से घर नहीं जाएं। महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों में भागीदारी में अनुपस्थित नहीं रहें। प्रति-सप्ताह कम से कम पंद्रह घंटे (15 घंटे) पुस्तकालय/वाचनालय तथा क्रियामूलक ज्ञान कौशल विकास, इत्यादि कार्यक्रम/गतिविधि में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए। महाविद्यालय द्वारा दृढ़ता से महाविद्यालय के समीप कमरा लेकर रहने की संस्तुति की जाती है।

महाविद्यालय-भोजनालय में दिन में तीन बार भोजन की सुविधा मिलती है। भोजनालय का प्रबंधन महाविद्यालय छात्रों की 'परिसर छात्र-समिति' करती है। इस छात्र-समिति के सदस्य को भोजनालय के मासिक खर्च में 500 (पांच-सौ) रुपए महीना की छूट मिलती है। भोजनालय संबंधित लगभग सभी निर्णय लेने का अधिकार इस छात्र-समिति को होता है। इस समिति में महाविद्यालय-भोजनालय में मासिक रूप से पंजीकृत कोई भी छात्र/छात्रा हो सकता है।

पुरुष-छात्र को महाविद्यालय के छात्रावास में रहने की सुविधा नहीं है, लेकिन भोजनालय में दिन में तीन बार भोजन की सुविधा मिलती है। भोजनालय में भोजन करने के लिए 1500 (पंद्रह-सौ) रुपए महीना देना होता है।

महिला-छात्रा के लिए महाविद्यालय में सीमित संख्या में छात्रावास की सुविधा है। छात्रावास निःशुल्क है, लेकिन भोजन, आरओ वाला पेयजल, बिजली, जनरेटर, स्वास्थ्य संबंधित साफ-सफाई इत्यादि सुविधाओं में होने वाले खर्च के लिए 2000 (दो हज़ार) रुपए महीना देना होता है।

महाविद्यालय का शैक्षिक व डिजिटल पुस्तकालय/वाचनालय प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक महाविद्यालय के छात्रों के लिए खुले रहते हैं। वाचनालय की देखभाल, सुरक्षा व साफ़-सफाई इत्यादि की जिम्मेदारी का निर्वाहन महाविद्यालय छात्रों की 'वाचनालय छात्र-समिति' करती है।